RANCHI WOMEN'S COLLEGE, RANCHI UNIVERSITY

(A Automous Unit of Ranchi University)

SYLLABUS FOR U.G SANSKRIT

CORE COURSE(CC)

DISCIPLINE SPECIFIED ELECTIVE COURSE(DSEC)

SKILL ENHANCEMENT COURSE(SEC)

GENERIC ELECTIVE COURSE(GEC)

AND

B.A. (PASS COURSE)

UNDER

CHOISE BASED CREDIT SYSTEM(CBCS)

OF UGC FROM ACADEMIC SESSION 2020-23 ONWARDS

Approved by Departmental Council, Department of Sanskrit, Ranchi Women's College, Ranchi University in its meeting held on 23/02/2021.

Accepted by Board of Studies, Department of Sanskrit, Ranchi Women's College , Ranchi in its meeting held on 08/04/2021.

Savita Oraon 08/04/2021
Dr.Savita Oraon
Dept. of Sanskrit
Ranchi Womens College

Usha Kiran 08-4-21
Dr. Usha kiran
Head, Dept. of Sanskrit
Ranchi Womens College

Ramashish Pandey 8/4/2021
Prof.(Dr)Ramashish Pandey
Dept.of Sanskrit, Marwari College

Dr.Dhananjay Vasudeo Dwivedi
Dept.of Sanskrit,DSPMU

07.04.21
Dr. Mohan Gope Head.PG
Head.PG Dept.of Sanskrit.RU

07.04.21

Ranchi Women's College , R.U

Department of Sanskrit

Meeting of Board of Studies

A meeting of Board of Studies was held on 08-04-2021 in Department of Sanskrit Ranchi Women's College, Ranchi at 12:00 noon.

Members present-

1. Chairperson (H.O.D) - Usha Kiran 08-04-2021
2. University Nominee - 08/04/21
3. External Expert - 08.04.21
4. External Expert - R Pandey 8/4/21
5. Member Teacher – Savita Oraon 08/04/2021
6. Member Teacher - Kavita Jha 8/4/2021
7. Member Alumni – Sushma Kumari 8.4.21
8. Member Topper- Bhawani Mahato 08.04.2021

Agenda of Meeting -To review the syllabus and if required make changes.

Member Secretary
Academic Council
Ranchi Women's College

Ranchi Womens College, Ranchi

Department of Sanskrit

Meeting of Board of Studies

A meeting of Board of studies, Department of Sanskrit, Ranchi Women's College was held on 08.04.2021. It was decided unanimously by all members to follow CBCS syllabus of U.G deptt. Of Sanskrit, minor change for the academic year 2020-23.

The following Members were present in the meeting :

Chairperson	Dr.Usha Kiran . Head, Dept. of Sanskrit Ranchi Women's College, Ranchi University	Usha Kiran 08.04.2021
University Nominee	Dr.Dhananjay Vasudeo Dwivedi Dept. of Sanskrit, DSPMU,Ranchi	Aravind 08/04/21
External Expert	Prof. Dr. Ramashish Pandey Head, Dept. of Sanskrit Marwari College, Ranchi	RPandey 8/4/21
External Expert	Dr.Mohan Gope Head,P.G Dept. of Sanskrit, Ranchi University, Ranchi	Mope 08.04.21
Member Teacher	Dr. Savita Oraon Dept. of Sanskrit Ranchi Women's College,RU	Savita Oraon 08/04/2021
Member Teacher	Dr. Kavita Jha (Contractual) Dept. of Sanskrit Ranchi Womens College	Kavita Jha 8/4/2021
Member Alumni	Sushma Kumari	Sushma Kumari 8.4.21
Member Topper	Bhawani Mahato	Bhawani Mahato 08-04-2021

Agenda of the meeting : To review the syllabus and if required make changes.

प्रथम समसत्र(Semester–1)

07.04.21

प्रथम समसत्र (1st Semester)

C–1

संस्कृत व्याकरण (सन्धि एवं कारक)

खण्ड (क) **30 अंक**

सन्धि प्रकरण–अध्येय सूत्र–स्वर सन्धि– इको यणचि, तस्मिन्निति निर्दिष्टे पूर्वस्य, स्थानेऽन्तरतमः, अनचि च, झलां जश् झशि, एचोऽयवायावः, वान्तो यि प्रत्यये, अदेङ् गुण, आद्गुणः, उपदेशेऽजनुनासिक इत्, उरण् रपरः, लोपः शाकल्यस्य, पूर्वत्रासिद्धम्, वृद्धिरादैच, वृद्धिरेचि, उपसर्गाः क्रियायोगे, एङि पररूपम् अचोऽन्त्यादि टि, शकन्ध्वादिषु पररूपं वाच्यम्, अंकः सवर्णे दीर्घः, एङः पदान्तादति, प्लुतप्रगृह्याऽचि नित्यम्, ईदूदेद्विवचनं प्रगृह्यम्, इकोऽसवर्णे शाकल्यस्य ह्रस्वश्च।**व्यञ्जन सन्धि–**स्तोः श्चुना श्चुः, शात्, ष्टुना ष्टुः, न पदान्ताट्टोरनाम्, तोः षि, झलां जशोऽन्ते, यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा, तोर्लि, आदेः परस्य, खरि च, मो राजि समः क्वौ, झयो होन्यतरस्याम्, शश्छोऽटि, मोऽनुस्वारः, अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः, वा पदान्तस्य, ङमो ह्रस्वादचि ङमुन्नित्यम्, छे च, पदान्तात् वा।**विसर्ग सन्धि–**विसर्जनीयस्य सः, वा शरि, ससजुषो रुः, अतोरोरप्लुतादप्लुते, हशि च, हलि सर्वेषाम्, रोऽसुपि, रो रि, ढ्लोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः, विप्रतिषेधे परं कार्यम्।

खण्ड(ख) **30 अंक**

कारक प्रकरण–अध्येय सूत्र–प्रातिपदिकार्थलिङ्गपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा, सम्बोधने च, कर्तुरीप्सिततमं कर्म, कर्मणि द्वितीया, अकथितश्च, साधकतमं करणम्, कर्तृकरणयोस्तृतीया, सहयुक्तेऽप्रधाने, प्रकृत्यादिभ्यः उपसेख्यानम्, येनांगविकारः, कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्, चतुर्थी सम्प्रदान, रूच्यर्थानां प्रीयमाणः, नमः स्वस्तिस्वाहास्वधाऽलंवषड्योगाच्च, ध्रुवमपायेऽपादानम्, अपादाने पंचमी, भीत्रार्थानां भयहेतुः, षष्ठी शेषे, आधारोऽधिकरणम्, सप्तम्यधिकरणे च, यतश्च निर्धारणे, यस्य च भावे न भावलक्षणम्।

खण्ड (ग) **15 अंक**

व्याकरण शास्त्र का इतिहास–अध्येय प्रकरण– पाणिनिपूर्व व्याकरण की स्थिति, पाणिनि–देशकाल, जीवनवृत्त एवं अष्टध्यायी, कात्यायन– देशकाल, जीवनवृत्त एवं वार्तिक, पतंजलि– देशकाल, जीवनवृत्त, एवं महाभाष्य, व्याकरणशास्त्र का प्रयोजन।

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन–

मध्य समसत्र परीक्षा 25 अंकों की

समसत्रान्त परीक्षा 75 अंकों की (परीक्षावधि– 3 घण्टे)

खण्ड (क)

प्रश्न–1) सन्धि प्रकरण से पांच (5) वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5X1=5
प्रश्न–2) छः सूत्रों में से तीन (03) सूत्रों की व्याख्या	5X3=15
प्रश्न–3) छः में से पांच (5) सन्धि विच्छेद।	5X1=5
प्रश्न–4) छः में से पांच (5) सन्धि।	5X1=5

07.04.21 8/4/2021 08-4-21

Kavita Jha 8/4/2021 08/04/2021 Savita Gaur 08/04/2021

खण्ड (ख)

प्रश्न–5) कारक प्रकरण से पांच (05) वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5X1=5
प्रश्न–6) छः में से तीन (03) कारक सूत्रों की व्याख्या	5X3=15
प्रश्न–7) आठ में से चार (04) पदों में ससूत्र विभक्ति निर्देश	4X2½=10

खण्ड (ग)

प्रश्न–8)व्याकरणशास्त्र का इतिहास से दो में से एक(01)आलोचनात्मक प्रश्न	10X1=10
प्रश्न–9) पांच में से दो (02) पर टिप्पणी	2X2½=5

अनुशंसित पुस्तकें–

i. लघुसिद्धान्त कौमुदी– श्रीधरानन्दशास्त्री– मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
ii. लघुसिद्धान्त कौमुदी– महेश सिंह कुशवाहा– चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
iii. व्याकरणशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास– श्री रमाकान्त मिश्र– चौखम्बा विद्याभवन

Usha Kiran 08-4-21

R Pandey 8/4/2021

Dwivedi 08/04/2021

07.04.21

Kavita Ojha 8/4/2021

Savita Oraon 08/04/2021

C–2

संस्कृत साहित्य (पद्यकाव्य)

खण्ड (क)

रघुवंशम्–द्वितीय सर्ग (1–25 श्लोक) **30 अंक**

खण्ड (ख)

किरातार्जुनीयम्–प्रथम सर्ग (1–26 श्लोक) **30 अंक**

खण्ड (ग)

महाकाव्य– इन महाकाव्यों का संक्षिप्त परिचय– रघुवंशम, कुमारसम्भवम्, शिशुपालवधम्, नैषधीयचरितम्, बुद्धचरितम्, भट्टिकाव्यम्, जानकीहरणम् **15 अंक**

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन–

मध्य समसत्र परीक्षा 25 अंको की

समसत्रान्त परीक्षा 75 अंको की (परीक्षावधि– 3 घण्टे)

खण्ड (क) रघुवंशम्

प्रश्न–1) पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5X1=5
प्रश्न–2) दो में से एक (01) आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर	12X1=12
प्रश्न–3) दो में से एक (01) श्लोक की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या	8X1=8
प्रश्न–4) दो में से एक (01) श्लोक का हिन्दी में अनुवाद	5X1=5

खण्ड (ख) किरातार्जुनीयम्

प्रश्न–5) पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5X1=5
प्रश्न–6) दो में से एक (01) आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर	12X1=12
प्रश्न–7) दो में से एक (01) श्लोक की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या	8X1=8
प्रश्न–8) दो में से एक (01) श्लोक का हिन्दी में अनुवाद	5X1=5

खण्ड (ग)

प्रश्न–8) छः में से किन्हीं तीन (03) महाकाव्यों का परिचय	5X3=15

अनुशंसित पुस्तकें–

- **i.** किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)– पं. वेणीमाधव सदाशिवशास्त्री मुसलगांवकर–विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
- **ii.** किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)– अखिलेश पाठक– प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ
- **iii.** रघुवंशम् (द्वितीय सर्गः)– रामकृष्ण शुल्क– रामायण बेनीप्रसाद, इलाहाबाद
- **iv.** रघुवंशम् (द्वितीय सर्गः)– विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
- **v.** संस्कृत साहित्य का इतिहास– आचार्य बलदेव उपाध्याय– शारदा निकेतन वाराणसी

Usha Kiran 08-4-21

07.04.21 R Pandey 8/4/2021 Dwivedi 08/04/2021 Kavita Jha 8/4/2021

Savita Oraon 08/04/2021

द्वितीय समसत्र(Semester–2)

07.04.21

द्वितीय समसत्र (IInd Semester)

C–3

संस्कृत साहित्य का इतिहास (रामायण, महाभारत एवं पुराण)

संस्कृत साहित्य का इतिहास– रामायण, महाभारत एवं पुराण 75 अंक

रामायण– (क) सामान्य परिचय, (ख) काल–निर्धारण, (ग) उपजीव्यता, (घ) रामायणकालीन समाज और संस्कृति, (ङ) रामायण साहित्यिक महत्त्व, आदिकाव्य के रुप में रामायण।

महाभारत– (क) महाभारत का विकास क्रम, (ख) उपजीव्यता, (ग) कालनिर्धारण, (घ) महाभारतकालीन समाज, (ङ) महाभारत साहित्यिक महत्त्व, (च) रामायण और महाभारत का पौर्वापर्य।

पुराण– (क) पुराण की परिभाषा, (ख) पुराण के लक्षण, (ग) महापुराणों की संख्या, (घ) इन महापुराणों का सामान्य परिचय – श्रीमद्भागवद्, अग्नि, विष्णु, स्कन्द एवं पद्म

प्रश्नों एवं अंको का विभाजन–

मध्य समसत्र परीक्षा 25 अंको की

समसत्रान्त परीक्षा 75 अंको की (परीक्षावधि– 3 घण्टे)

प्रश्न–1) दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न (रामायण, महाभारत, पुराण से)	10X1=10
प्रश्न–2) छः आलोचनात्मक प्रश्नों में से तीन (03) प्रश्नों का उत्तर।	15X3=45
प्रश्न–3) छः में से चार लघु उत्तरीय प्रश्न	5X4=20

अनुशंसित पुस्तकें–

1) संस्कृत साहित्य का इतिहास–आचार्य बलदेव उपाध्याय–शारदा निकेतन, वाराणासी
2) संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी
3) संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा "ऋषि", चौखम्बा प्रकाशन, वाराणासी

C–4

संस्कृत साहित्य (गद्यकाव्य)

खण्ड (क) शुकनासोपदेश (कादम्बरी) **30 अंक**

खण्ड (ख) शिवराजविजयम् (प्रथम निःश्वास) **30 अंक**

खण्ड (ग) गद्यसाहित्य– संस्कृत गद्य की परम्पराएं, शास्त्रीय गद्य, इन गद्यकाव्यों का परिचय –(क) कादाम्बरी, (ख) हर्षचरितम्, (ग) वासवदत्ता, (घ) दशकुमारचरितम् (ड) शिवराजविजयम् **15 अंक**

प्रश्नों एवं अंको का विभाजन–

मध्य समसत्र परीक्षा 25 अंको की

समसत्रान्त परीक्षा 75 अंको की (परीक्षावधि– 3 घण्टे)

खण्ड (क) शुकनासोपदेश

प्रश्न–1) पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5X1=5
प्रश्न–2) दों में से एक (01) आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर	12X1=12
प्रश्न–3) दों में से एक (01) गद्यांश की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या	8X1=8
प्रश्न–4) दों में से एक (01) गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद	5X1=5

खण्ड (ख) शिवराजविजयम्

प्रश्न–5) पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5X1=5
प्रश्न–6) दों में से एक (01) आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर	12X1=12
प्रश्न–7) दों में से एक (01) गद्यांश की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या	8X1=8
प्रश्न–8) दों में से एक (01) गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद	5X1=5

खण्ड (ग) गद्यसाहित्य

प्रश्न–9) पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5X1=5
प्रश्न–10) चार में से किन्हीं दो (02) पर टिप्पणी	5X2=10

अनुशंसित प्रस्तकें–

i. शुकनासोपदेशः– देवेन्द्र मिश्र– रामनारायण बेनीप्रसाद, इलाहाबाद,
ii. शुकनासोपदेशः– आचार्य रामनाथ शर्मा–'सुमन'– साहित्य भण्डार, मेरठ
iii. शिवराजविजयमः– डा० रमाशंकर मिश्र– चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
iv. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास – कपिलदेव द्विवेदी
v. संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा 'ऋषि'– चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

तृतीय समसत्र(Semester–3)

07.04.21

तृतीय समसत्र (III^rd Semester)

C–5

श्रीमद्भगवदगीता और कठोपनिषद्

खण्ड (क)

श्रीमद्भगवद्गीता–द्वितीय अध्याय (श्लोक संख्या 39 से 72)	40 अंक

खण्ड (ख)

कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय)	35 अंक

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन–

मध्य समसत्र परीक्षा 25 अंको की

समसत्रान्त परीक्षा 75 अंको की (परीक्षावधि– 3 घण्टे)

खण्ड (क) श्रीमभगवदगीता

प्रश्न–1) पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5X1=5
प्रश्न–2) दो में से एक (01) आलोचनात्मक प्रश्नों का उत्तर	15X1=15
प्रश्न–3) दो में से एक (01) श्लोक की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या	10X1=10
प्रश्न–4) चार में से दो (02) श्लोक का हिन्दी में अनुवाद	5X2=10

खण्ड (ख) कठोपनिषद्

प्रश्न–5) पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5X1=5
प्रश्न–6) दो में से एक (01) आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर	15X1=15
प्रश्न–7) दो में से एक (01) श्लोक की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या	10X1=10
प्रश्न–8) दो में से एक (01) श्लोक का हिन्दी में अनुवाद	5X1=5

अनुशंसित पुस्तकें–

1) कठोपनिषद्– डा० सुरेन्द्र देव शास्त्री– चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन
2) कठोपनिषद्– गीता प्रेस, गोरखपुर
3) कठोपनिषद्– डा० बैजनाथ पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
4) श्रीमद्भगवद्गीता– शांकरभाष्य– हिन्दी अनुवाद सहित, गीता प्रेस, गोरखपुर
5) श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)– आचार्य शिवप्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

07.04.21

Savita Oram 08/04/2021

Kavita Jha 8/4/2021

Usha Kiran 08-4-21

सी–6

संस्कृत साहित्य (नाट्य साहित्य)

खण्ड (क)

अभिज्ञानशाकुन्तलम् (प्रथम से चतुर्थ अंक) 60 अंक

खण्ड (ख) 15 अंक

नाट्यसाहित्य–इन नाटकों का सामान्य परिचय–प्रतिमानाटकम्, स्वप्नवासवदत्तम्, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, मृच्छकटिकम्, उत्तररामचरितम्, मुद्राराक्षसम्, वेणीसंहारम्, रत्नावली, नागानन्द, मालतीमाधवम्, विक्रमोर्वशीयम्, प्रबोधचन्द्रोदयम्

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन–

मध्य समसत्र परीक्षा 25 अंको की

समसत्रान्त परीक्षा 75 अंको की (परीक्षावधि– 3 घण्टे)

खण्ड (क) अभिज्ञानशाकुन्तलम्

प्रश्न–1) दश वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10X1=10
प्रश्न–2) चार में से दो (02) आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर	15X2=30
प्रश्न–3) दो में से एक (01) श्लोक की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या	10X1=10
प्रश्न–4) चार में से दो (02) श्लोक का हिन्दी में अनुवाद	5X2=10

खण्ड (ख) नाट्यसाहित्य

प्रश्न–5) छः में से तीन (03) पर लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर	5X3=15

अनुशंसित पुस्तकें–

1)अभिज्ञानशाकुन्तलम्– डा० सुरेन्द्र शास्त्री– रामनारायणलाल बेनीप्रसाद, इलाहाबाद

2)अभिज्ञानशाकुन्तलम्– डा० कपिलदेव द्विवेदी– रामनारायणलाल बेनीप्रसाद, इलाहाबाद
3)संस्कृत साहित्य का इतिहास– आचार्य बलदेव उपाध्याय– शारदा निकेतन, वाराणसी
4)संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास– कपिलदेव द्विवेदी
5)संस्कृत साहित्य का इतिहास– उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

07.04.21 8/4/2021 Savita Oraon 08/04/2021 08/04/2021 Usha Kiran 08-4-21 Kavita Jha 8/4/2021

C–7

साहित्यशास्त्र

खण्ड (क) **40 अंक**

काव्य सिद्धान्त–आचार्य मम्मटकृत काव्यप्रकाश के अनुसार काव्यलक्षण, काव्यप्रयोजन, काव्यहेतु, शब्दशक्ति एवं रससिद्धान्त। आचार्य विश्वनाथकृत साहित्यदर्पण के अनुसार काव्य के भेद (दृश्य–नाटक, श्रव्य–महाकाव्य, खण्डकाव्य, कथा, आख्यायिका, चम्पू)।

खण्ड (ख) **25 अंक**

अलङ्कार–(आचार्य मम्मटकृत काव्यप्रकाश के अनुसार)–अनुप्रास, श्लेष, वक्रोक्ति, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, समासोक्ति, अपह्नुति, अप्रस्तुतप्रशंसा, अर्थान्तरन्यास, काव्यलिंग, विभावना, विशेषोक्ति, निदेर्शना एवं दृष्टान्त

खण्ड (ग) **10 अंक**

छन्द–अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, द्रुतविलम्बित, वसन्ततिलका, मालिनी, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित, वंशस्थ, स्रग्धरा एवं भुजंगप्रयात

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन

मध्य समसत्र परीक्षा 25 अंको की

समसत्रान्त परीक्षा 75 अंको की (परीक्षावधि– 3 घण्टे)

खण्ड (क)

प्रश्न–1) पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न 5X1=5

प्रश्न–2) चार में से दो (02) आलोचनात्मक प्रश्नों का उत्तर 15X2=30

प्रश्न–3) दो में से एक (01) पर लघु उत्तरीय प्रश्न 5X1=5

खण्ड (ख)

प्रश्न–4) दो में से एक (01) आलोचनात्मक प्रश्न का उत्तर 15X1=15

प्रश्न–5) चार में से दो (02) अलंकारों का लक्षण एवं उदाहरण 5X2=10

खण्ड (ग)

प्रश्न–6) चार में से दो (02) छन्दों का लक्षण एवं उदाहरण 5X2=10

अनुशंसित पुस्तकें– 1) मम्मट कृत काव्यप्रकाश– आचार्य विश्वेश्वर की व्याख्या सहित– ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी

2) विश्वनाथ कृत साहित्यदर्पण– व्याख्याकार– शालिग्राम शास्त्री– मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

3) संस्कृत आलोचना– बलदेव उपाध्याय– हिन्दी समिति, सूचना विभाग, उत्तर प्रदेश

07.04.21 Pandey 8/4/2021 Lavita Oram 08/04/2021

Kavita Jha 8/4/2021 Dwivedi 08/04/2021 Usha Kiran 08-04-21

SEC–1

अभिनय और कथानक लेखन **100 अंक**

अभिनय और कथानक लेखन–अभिनय करने वाले पुरूष (कुशल, विदग्ध, प्रगल्भ), लोकधर्मी और नाट्यधर्मी अभिनय, नाट्य प्रयोक्ता गण (सूत्रधार, नाट्यकार, नट, कुशीलव, नर्तक, विदूषक), अभिनय की परिभाषा, अभिनय के प्रकार (आंगिक, वाचिक, सात्त्विक, आहार्य)

कथानक लेखन–कथानक की प्रकृति (आधिकारिक, प्रासंगिक, दृश्य, सूच्य), प्रख्यात्, उत्पाद्य और मिश्र कथानक, अर्थप्रकृति (बीज, बिन्दु, पताका, प्रकरी और कार्य), कार्यावस्था (आरम्भ यत्न, प्रप्त्याशा, नियताप्ति और फलागम), पंचसन्धि (मुख, प्रतिमुख, गर्भ, विमर्श, निर्वहण), अर्थोपक्षेपक (विष्कम्भक, चूलिका, अंकास्य, अंकावतार, प्रवेशक), संवाद के प्रकार (सर्वश्राव्य, नियतश्राव्य, अपवारित, आकाशभाषित)

कथानक और संवाद योजना की दृष्टि से अभिज्ञानशाकुन्तलम् की समीक्षा

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन–

समसत्रान्त परीक्षा 100 अंको की (परीक्षावधि– 3 घण्टे)

प्रश्न–1) दश वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10X1=10
प्रश्न–2) छः आलोचनात्मक प्रश्नों में से तीन (03) प्रश्नों का उत्तर	20X3=60
प्रश्न–3) चार में से दो (02) लघु उत्तरीय प्रश्न	10X2=20
प्रश्न–4) चार में से दो (02) पर टिप्पणी	5X2=10

अनुशंसित पुस्तकें–

1)नाटक और रंगमंच सीताराम झा– बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना

2) नाट्यशास्त्र की परंपरा और दशरूपक– हजारी प्रसाद द्विवेदी
3) नाट्यशास्त्र– रविशंकर नागर– परिमल पब्लिकेशनस, दिल्ली
4) संस्कृत आलोचना– पं॰ बलदेव उपाध्याय– उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
5) भारतीय आलोचना शास्त्र– डा॰ राजवंश सहाय 'हीरा', बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना
6) हिन्दी दशरूपक– डा॰ भोलाशंकर व्यास– चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
7) अभिनव नाट्यशास्त्र– डा॰ सीताराम चतुर्वेदी
8) भारतीय साहित्यशास्त्र– राजवंश सहाय 'हीरा'

षष्ठ समसत्र (Semester 6)

07.04.21

षष्ठ समसत्र (VI[TH] Semester)

C–13

तत्त्वमीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा (तर्कसंग्रह के अनुसार)

तत्त्वमीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा (तर्कसंग्रह के अनुसार) 75 अंक

तत्त्वमीमांसा–(1) पदार्थ विवेचन– पदार्थ की अवधारणा

(2) द्रव्य विवेचन– पृथिवी, जल, तेज, वायु, आकाश, काल, दिक, आत्मा और मन

(3) कर्म विवेचन– उत्क्षेपण, अपक्षेपण, आकुंचन, प्रसारण एवं गमन

ज्ञानमीमांसा–(1) बुद्धि विवेचन– परिभाषा, बुद्धि के प्रकार

(2) कारण विवेचन– समवायि कारण, असमवायिकारण, निमित्त कारण

(3) प्रत्यक्ष प्रमाण विवेचन– परिभाषा, प्रकार निर्विकल्पक तथा सविकल्पक, षोढा सन्निकर्ष,

(4) अनुमान प्रमाण विवेचन– परिभाषा, प्रकार–स्वार्थानुमान तथा परार्थानुमान, हेत्वाभास

(5) उपमान प्रमाण तथा शब्द प्रमाण

(6) अयथार्थ अनुभव

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन–

मध्य समसत्र परीक्षा 25 अंको की

समसत्रान्त परीक्षा 75 अंको की (परीक्षावधि– 3 घण्टे)

प्रश्न–1) पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न 5X1=5

प्रश्न–2) छः आलोचनात्मक प्रश्नों में से तीन (03) प्रश्नों के उत्तर 20X3=60

प्रश्न–3) चार में से किसी दो पर टिप्पणी। 5X2=10

अनुशंसित पुस्तकें–

1) तर्कसंग्रह– आचार्य श्रीशेषराजशर्मा 'रेग्मी'– चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
2) तर्कसंग्रह– आचार्य केदारनाथ त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन, वाराणसी

Savita Oraon 08/04/2021

07.04.21

8/4/2021

08/4/2021

Kavita 8/4/2021

Lesha Kiran 08-4-21

C–14

नीति शतकम् एवं मेघदूतम्

खण्ड (क) नीतिशतकम्– (1 से 32 श्लोक तक) 30 अंक

खण्ड (ख) मेघदूतम् (पूर्वमेघ)–उज्जयिनी वर्णन पर्यन्त 30 अंक

खण्ड (ग) खण्डकाव्य / गीतिकाव्य–इन ग्रन्थों का सामान्य परिचय–मेघदूतम्, ऋतुसंहारम्, अमरूकशतकम्, आर्यासप्तशती, नीतिशतकम्, श्रृंगारशतकम्, वैराग्यशतकम् 15 अंक

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन

मध्य समसत्र परीक्षा 25 अंकों की

समसत्रान्त परीक्षा 75 अंकों की (परीक्षावधि– 3 घण्टे)

खण्ड(क) नीतिशतकम्

प्रश्न–1) पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5X1=5
प्रश्न–2) दो में से एक (01) आलोचनात्मक प्रश्न	12X1=12
प्रश्न–3) दो में से (01) श्लोक की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या	8X1=8
प्रश्न–4) दो में से किसी एक (01) श्लोक का हिन्दी में अनुवाद	5X1=5

खण्ड(ख) मेघदूतम्

प्रश्न–5) पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5X1=5
प्रश्न–6) दो में से एक (01) अलोचनात्मक प्रश्न	12X1=12
प्रश्न–7) दो में से (01) श्लोक की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या	8X1=8
प्रश्न–8) दो में से किसी एक (01) श्लोक का हिन्दी में अनुवाद	5X1=5

खण्ड(ग) खण्डकाव्य / गीतिकाव्य

प्रश्न–9) छः में से किन्हीं तीन (03) खण्डकाव्यों / गीतिकाव्यों का परिचय	5X3=15

अनुशंसित पुस्तकें–1)संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास– कपिलदेव द्विवेदी

2) नीतिशतकम्– गोस्वामी प्रह्लाद गिरि– भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी

3) मेघदूतम्– आचार्य शेषराज शर्मा– चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

DSE–3

समूह 'अ'

भाषा विज्ञान

भाषा विज्ञान **75 अंक**

(i) भाषा की परिभाषा और उसके विविध रूप, (ii) भाषा की विशेषताएं, (iii) भाषाविज्ञान का स्वरूप और भाषा परिवार (iv) भाषाविज्ञान की उपयोगिता, (v) ध्वनि विज्ञान (परिभाषा, उपयोगिता, वैदिक ध्वनियाँ, ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि परिवर्तन की दिशाएं, ध्वनि नियम), (vi) पदविज्ञान (पद और वाक्य, पद और संबंध तत्त्व, संस्कृत में संबंध तत्त्व पद विभाग, संहिता), (vii) वाक्यविज्ञान (स्वरूप, पद और वाक्य, वाक्य के अनुवार्य तत्त्व, वाक्य और पदक्रम, वाक्यों के प्रकार, वाक्य परिवर्तन की दिशाएं, वाक्य परिवर्तन के कारण), (viii) अर्थविज्ञान (परिभाषा, अर्थ का महत्व, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थज्ञान के साधन, अर्थ परिवर्तन की दिशाएं, अर्थ परिवर्तन के कारण, (ix) वैदिक और लौकिक संस्कृत का तुलनात्मक अध्ययन।

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन–

मध्य समसत्र परीक्षा 25 अंको की

समसत्रान्त परीक्षा 75 अंको की (परीक्षावधि– 3 घण्टे)

प्रश्न–1) पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10X1=10
प्रश्न–2) चार आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो (02) प्रश्नों का उत्तर	20X2=40
प्रश्न–3) चार में से किन्हीं दो (02) लघु उत्तरीय प्रश्न	7X1/2=15
प्रश्न–4) चार में से किन्हीं दो (02) पर टिप्पणी	5X2=10

अनुशंसित पुस्तकें–

1) भाषा विज्ञान एवं शास्त्र– डा. कपिलदेव द्विवेदी– विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2) संस्कृत भाषा विज्ञानम्– श्रीरामाधीन चतुर्वेदी– चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3) भाषा विज्ञान की भूमिका– देवेन्द्रनाथ शर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन

07.04.21

8/4/2021

08/04/2021

08/04/2021

8/4/2021

08-4-21

DSE–4

समूह 'अ'

संस्कृत साहित्य में पर्यावरण चेतना

संस्कृत साहित्य में पर्यावरण चेतना **75 अंक**

(i) पर्यावरण- विवेचन एवं परिभाषा, (ii) पर्यावरण की व्यापकता, (iii) पंचमहाभूतों का परिचय, (iv) पर्यावरण प्रदूषण, (v) संस्कृत साहित्य में निर्दिष्ट पर्यावरण संरक्षण के सामान्य उपाय (वृक्षारोपण, वृक्षों की प्रतिष्ठा, वृक्ष कर्तन का निषेध, यज्ञ और पर्यावरण), (vi) वनस्पति जगत् के साथ मानव संबंध का निरूपण, (vii) पर्यावरण संरक्षण के विशिष्ट उपाय (जल प्रदूषण पर नियंत्रण, वायु प्रदूषण पर नियंत्रण, ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण, मृत्तिका प्रदूषण पर नियंत्रण, (viii) जैव संरक्षण, (ix) रामायण एवं कालिदास साहित्य में वनस्पतियाँ, (x) जल प्रबंधन।

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन–

मध्य समसत्र परीक्षा 25 अंको की

समसत्रान्त परीक्षा 75 अंको की (परीक्षावधि– 3 घण्टे)

प्रश्न–1) दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10X1=10
प्रश्न–2) छः आलोचनात्मक प्रश्नों में से तीन (03) प्रश्नों का उत्तर	20X3=60
प्रश्न–3) किन्हीं दो में से एक (01) पर टिप्पणी	5X1=5

अनुशंसित पुस्तकें–

1) यास्ककालीन पर्यावरण–प्रो. रामाशीष पाण्डेय– प्रबोध संस्कृत प्रकाशन, राँची
2)संस्कृतसाहित्य में पर्यावरणचेतना– डा. धन्नजय वासुदेव द्विवेदी, श्रीकृष्ण साहित्य, दिल्ली

Savita Oraon 08/04/2021

8/4/2021

07.04.21

Kavita Jha 8/4/2021

08/04/2021

Usha Kiran 08-04-21

सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम (संस्कृत)

Syllabus for GE Course in Sanskrit

समसत्र–1	समसत्र–2
संस्कृत व्याकरण (सन्धि एवं कारक)	भारतीय संस्कृति एवं राजनीति
समसत्र–3	समसत्र–4
आयुर्वेद की परम्परा	भाषाविज्ञान

Sanita Oraon
08/04/2021

RPandey 8/4/2021

Usha Kiran
08-4-21

07.04.21

Kanita Jha
8/4/2021

GE–1

संस्कृत व्याकरण (सन्धि एवं कारक)

खण्ड (क)

सन्धि प्रकरण

खण्ड (क) **30 अंक**

सन्धि प्रकरण–अध्येय सूत्र–स्वर सन्धि– इको यणचि, तस्मिन्निति निर्दिष्टे पूर्वस्य, स्थानेऽन्तरतमः, अनचि च, झलां जश् झशि, एचोऽयवायावः, वान्तो यि प्रत्यये, अदेङ् गुण, आद्गुणः, उपदेशेऽजनुनासिक इत्, उरण् रपरः, लोपः शाकल्यस्य, पूर्वत्रासिद्धम्, वृद्धिरादैच, वृद्धिरेचि, उपसर्गाः क्रियायोगे, एङि पररूपम् अचोऽन्त्यादि टि, शकन्ध्वादिषु पररूपं वाच्यम्, अंकः सवर्णे दीर्घः, एङः पदान्तादति, प्लुतप्रगृह्याऽचि नित्यम्, ईदूदेद्विवचनं प्रगृह्यम्, इकोऽसवर्णे शाकल्यस्य ह्रस्वश्च।**व्यञ्जन सन्धि–**स्तोः श्चुना श्चुः, शात्, ष्टुना ष्टुः, न पदान्ताट्टोरनाम्, तोः षि, झलां जशोऽन्ते, यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा, तोर्लि, आदेः परस्य, खरि च, मो राजि समः क्वौ, झयो होन्यतरस्याम्, शश्छोऽटि, मोऽनुस्वारः, अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः, वा पदान्तस्य, ङमो ह्रस्वादचि ङमुन्नित्यम्, छे च, पदान्तात् वा।**विसर्ग सन्धि–**विसर्जनीयस्य सः, वा शरि, ससजुषो रूः, अतोरोरप्लुतादप्लुते, हशि च, हलि सर्वेषाम्, रोऽसुपि, रो रि, ढ्लोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः, विप्रतिषेधे परं कार्यम्।

खण्ड(ख) **30 अंक**

कारक प्रकरण–अध्येय सूत्र–प्रातिपदिकार्थलिङ्गपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा, सम्बोधने च, कर्तुरीप्सिततमं कर्म, कर्मणि द्वितीया, अकथितश्च, साधकतमं करणम्, कर्तृकरणयोस्तृतीया, सहयुक्तेऽप्रधाने, प्रकृत्यादिभ्यः उपसेख्यानम्, येनांगविकारः, कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्, चतुर्थी सम्प्रदान, रूच्यर्थानां प्रीयमाणः, नमः स्वस्तिस्वाहास्वधाऽलंवषड्योगाच्च, ध्रुवमपायेऽपादानम्, अपादाने पंचमी, भीत्रार्थानां भयहेतुः, षष्ठी शेषे, आधारोऽधिकरणम्, सप्तम्यधिकरणे च, यतश्च निर्धारणे, यस्य च भावे न भावलक्षणम्।

खण्ड (ग) **15 अंक**

व्याकरण शास्त्र का इतिहास–अध्येय प्रकरण– पाणिनिपूर्व व्याकरण की स्थिति, पाणिनि–देशकाल, जीवनवृत्त एवं अष्टध्यायी, कात्यायन– देशकाल, जीवनवृत्त एवं वार्तिक, पतंजलि– देशकाल, जीवनवृत्त, एवं महाभाष्य, व्याकरणशास्त्र का प्रयोजन।

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन–

मध्य समसत्र परीक्षा 25 अंकों की

समसत्रान्त परीक्षा 75 अंकों की (परीक्षावधि– 3 घण्टे)

खण्ड (क)

Savita Oram 08/04/2021

प्रश्न–1) सन्धि प्रकरण से पांच (5) वस्तुनिष्ठ प्रश्न 5X1=5

प्रश्न–2) छः सूत्रों में से तीन (03) सूत्रों की व्याख्या 5X3=15

प्रश्न–3) छः में से पांच (5) सन्धि विच्छेद। 5X1=5

R Pandey 8/4/2021

07.04.21

Usha Kiran 08-4-21

Kavita Jha 8/4/2021

08/04/2021

प्रश्न–4) छः में से पांच (5) सन्धि।	5X1=5

खण्ड (ख)

प्रश्न–5) कारक प्रकरण से पांच (05) वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5X1=5
प्रश्न–6) छः में से तीन (03) कारक सूत्रों की व्याख्या	5X3=15
प्रश्न–7) आठ में से चार (04) पदों में ससूत्र विभक्ति निर्देश	4X2½=10

खण्ड (ग)

प्रश्न–8)व्याकरणशास्त्र का इतिहास से दो में से एक(01)आलोचनात्मक प्रश्न	10X1=10
प्रश्न–9) पांच में से दो (02) पर टिप्पणी	2X2½=5

अनुशंसित पुस्तकें–

1. **लघुसिद्धान्त कौमुदी– श्रीधरानन्दशास्त्री– मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी**
2. **लघुसिद्धान्त कौमुदी– महेश सिंह कुशवाहा– चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी**
3. **व्याकरणशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास– श्री रमाकान्त मिश्र– चौखम्बा विद्याभवन**
4. **कारक–हेमलता बोलिया–भवित प्रकाशन, उदयपुर**

Savita Oraon
08/04/2021

07.04.21

GE–2

Usha Kiran
08-4-21

Kavita Jha
8/4/2021

08/04/2021

चतुर्थ समसत्र (Semsester 4)

07.04.21

चतुर्थ समसत्र (IV[th] Semsester)

C–8

भारतीय संस्कृति एवं राजनीति

भारतीय संस्कृति एवं राजनीति 75 अंक

भारतीय संस्कृत की विशेषताएं–आश्रमव्यवस्था–(क) आश्रम व्यवस्था की अवधारणा, (ख) ब्रह्मचर्य व्यत्पत्ति एवं अर्थ, विशेषता, दिनचर्या, शिक्षा (ग) गृहस्थाश्रम–व्युत्पत्ति और अर्थ, स्वरुप और विशेषता, गृहस्थाश्रम की श्रेष्ठता, गृहस्थ के कर्तव्य, पंचमहायज्ञ, (घ) वानप्रस्थ–व्युत्पत्ति और अर्थ, स्वरुप, महत्त्व, जीवन एवं कर्तव्य, (ङ) संन्यासी आश्रम–व्युत्पत्ति एवं अर्थ, संन्यासी की आचारसंहिता।**पुरुषार्थ**–(क)पुरुषार्थ की अवधारणा, (ख) धर्म–व्युत्पत्ति और अर्थ, विशेषता, विभेद (सामान्य, विशेष एवं आपद्), (ग) अर्थ– स्वरुप और महत्त्व, (घ) काम–व्युत्पत्ति और अर्थ, काम का स्वरुप और महत्त्व (ङ) मोक्ष–व्युत्पत्ति और अर्थ, स्वरुप और महत्त्व, मोक्षप्राप्ति के आधार।**संस्कार**–(क) अर्थ और प्रयोजन, (ख) इन संस्कारों का सामान्य परिचय– उपनयन, समावर्तन एवं विवाह। **राजनीति**–(क) राज्य की उत्पत्ति के कारण तथा उत्पत्ति के सिद्धांत, (ख) राज्य के कार्य,(ग) राजा का महत्त्व और कार्य।

प्रश्नों एवं अंको का विभाजन–

मध्य समसत्र परीक्षा 25 अंको की

समसत्रान्त परीक्षा 75 अंको की (परीक्षावधि– 3 घण्टे)

प्रश्न–1) दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10X1=10
प्रश्न–2) छः आलोचनात्मक प्रश्नों में से तीन (03) प्रश्नों का उत्तर।	15X3=45
प्रश्न–3) चार में से दो लघु उत्तरीय प्रश्न	5X2=10
प्रश्न–4) चार में से दो पर टिप्पणी	5X2=10

अनुशंसित पुस्तकें–

1) भारतीय संस्कृति के मूल तत्त्व– डा० सुखवीर सिंह– साहित्य भण्डार, मेरठ

2) भारतीय संस्कृति और कला– वाचस्पति गैरोला–उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ

3) प्राचीन भारत का सामाजिक इतिहास– डा० जयशंकर मिश्र– बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी

Savita Oraon 08/04/2021

07.04.21

Usha Kiran 08-4-21

Kavita Jha 8/4/2021

C–9

समास–I (केवलसमास, अव्ययीभाव एवं तत्पुरुष) **75 अंक**

समास प्रकरण (I)अव्ययीभाव–अध्येय सूत्र–समर्थः पद्विधिः, सह सुपा, सुपो धातुप्रातिपदिकयोः, अव्ययीभावः,अव्ययंविभक्तिसमीपसमृद्धिव्यृद्ध्यर्थाभावात्ययासम्प्रतिशब्दप्रादुर्भावपश्चाद्यथाऽऽनुपूर्व्ययौगद्यसादृश्यसम्पत्तिसाकल्यान्तवचनेषु, प्रथमानिर्दिष्टं समास उपसर्जनम्, उपसर्जनं पूर्वम्, तृतीयासप्त्योर्बहुलम्, गोस्त्रियोरुपर्जनस्य, नाव्ययीभावादतोऽम्त्वपञ्चम्याः, अव्ययीभावे चाकाले, यथाऽसादृश्ये, सुप्प्रतिना मात्रार्थ, आङ्मर्यादाभिविध्योः, लक्षणेनाभिप्रति आभिमुमख्ये, यस्य चायामः, तिष्ठद्गुप्रभृतीनि च, पारे मध्ये षष्ठ्या वा, नदीभिश्च, अन्यपदार्थे च संज्ञायाम्, अव्ययीभावे शरत्प्रभृतिभ्यः, अनश्च, नस्तद्धिते, गिरेश्च सेनकस्य।

तत्पुरुष–अध्येयसूत्र–तत्पुरुषः,द्विगुश्च, द्वितीय श्रितातीतपतितगतात्यस्तप्राप्तापन्नैः, अत्यन्तसंयोगे, तृतीता तत्कृतार्थेन गुणवचनेन,पूर्वसदृशसमानार्थकलहनिपुणमिश्रश्लक्षणैः, कर्तृकरणे कृता बहुलम्, अन्नेन् व्यञ्जनम्, भक्ष्येण मिश्रीकरणम्, चतुर्थी तदर्थार्थबलिहितसुखरक्षितैः, पञ्चमी भयेन, अपेतापोढमुक्तपतितपत्रस्तैरल्पशः,षष्ठी, क्तेन च पूजायाम्, पूर्वापराधरोत्तरमेकदेशिनैकाधिकरणे, अर्धं नपुंसकम्, प्राप्तापन्ने च द्वितीयया, सप्तमी शौण्डैः, सिद्धशुष्कपक्वबन्धैश्च, ध्वाङ्क्षेण क्षेपे, दिक्संख्ये संज्ञायाम् गोरतद्धितलुकि, संख्यापूर्वो द्विगुः, द्विगुरेकवचनम्, उपमानानि सामान्यवचनैः, उपमितं व्याघ्रादिभिः सामान्यप्रयोगे, विशेषणं विशेष्येण बहुलम्, किं क्षेपे, तत्पुरुषः समानाधिकरणः कर्मधारयः, वर्णो वर्णेन, नलोपो नञः, कुगतिप्रादयः, तत्रोपपदं सप्तमीस्थम् उपपदमतिङ्, अहस्सर्वेकदेशसंख्यातपुण्याच, राजाहस्सखिभ्यष्टच्, आन्महतः समानाधिकरणजातीययो।

प्रश्नों एवं अंको का विभाजन–

मध्य समसत्र परीक्षा 25 अंको की

समसत्रान्त परीक्षा 75 अंको की (परीक्षावधि– 3 घण्टे)

प्रश्न–1) पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5X1=5
प्रश्न–2) दस सूत्रो में से चार (04) सूत्रों की ब्याख्या	10X4=40
प्रश्न–3) दस में से तीन (03) समस्त पदों की सूत्रोल्लोखपूर्वक रूपसिद्धि	10X3=30

अनुशंसित पुस्तकें–

1)वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी (समासप्रकरणम्)– आचार्य जगदीशशास्त्री और मधुबाला शर्मा– मोलीलाल बनारसीदास, दिल्ली

2) समास प्रकरणम– डॉ घनश्याम महतो–एस० के० बुक एजेंसी, राँची

07.04.21

Lavita Oraon 08/04/2021

8/4/2021

Usha Kiran 08-4-21

Kavita 8/4/2021

08/04/2021

C–10

समास– II (बहुव्रीहि एवं द्वन्द्व) एवं व्याकरणिक पारिभाषिक शब्द

खण्ड–(क)

समास प्रकरण– 65 अंक

बहुव्रीहि–अध्येय सूत्र–शेषो बहुव्रीहि, अनेकमन्यपदार्थे, स्त्रियाः पुंवद्भाषितपुंस्कादनूङ्समानाधिकरणे स्त्रियामपूरणीप्रियादिषु, स्त्रियाः, अप्पूरणीप्रमाण्योः, न कोपधायाः, संज्ञापूरण्योश्च, स्वाङ्गाच्चेतः, जातेश्च, तत्र तेनेदमिति सरुपे, अन्येषामपि दृश्यते, ओर्गुणः, तेन सहेति तुल्ययोगे, वोपसर्जनस्य, सुहृद्दुहृदौ मित्रामित्रयोः, निष्ठा।

द्वन्द्व–अध्येय सूत्र–चार्थे द्वन्द्वः, राजदन्तादिषु परम्, द्वन्द्वे घि, अजाद्यदन्तम्, अल्पाचतरम्, द्वन्द्वश्चप्राणितूर्यसेनाङ्गा नाम्, क्षुद्रजन्तवः, येषां च विरोधः शाश्वतिकः, आनङ्ऋतौ द्वन्द्वे, देवता द्वन्द्वे च, दिवो द्यावा, मातरपितरावुदीचाम् द्वन्द्वाच्चुदषहान्तात् समाहारे, स्त्री पुंवच्च, पुमान् स्त्रिया, भ्रातृपुत्रौ स्वसृदुहितृभ्याम्, पिता मात्रा।

खण्ड–(ख) 10 अंक

व्याकरणिक पारिभाषिक शब्द–प्रातिपदिक, सम्प्रसारण, संहिता, गुण, वृद्धि, नदी, घि, उपधा, अपृक्त, गति, पद, विभाषा, सवर्ण, टि, प्रगृह्य, सर्वनामस्थान, निष्ठा, लोप।

प्रश्नों एवं अंको का विभाजन–

मध्य समसत्र परीक्षा 25 अंको की

समसत्रान्त परीक्षा 75 अंको की (परीक्षावधि– 3 घण्टे)

खण्ड–(क)

प्रश्न–1) पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5X1=5
प्रश्न–2) दस सूत्रों में से तीन (03) सूत्रों की व्याख्या	10X3=30
प्रश्न–3) दस समस्त पदों में से तीन(03) की सूत्रोल्लेखपूर्वक रूपसिद्धि	10X3=30

खण्ड–(ख)

प्रश्न–4) चार पारिभाषिक शब्दों में से दो (02) की सोदाहरण परिभाषा	5X2=10

अनुशंसित पुस्तक–

1) वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (समासप्रकरणम्)– आचार्य जगदीश शास्त्री और श्रीमती मधुबाला शर्मा–मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

2) समासप्रकरणम्–डा० घनश्याम महतो – एस० के० बुक एजेंसी, राँची।

Usha Kumari 08-4-21

07.04.21

Kavita Jha 8/4/2021

Savita Oraon 08/04/2021

SEC–2

ज्योतिष शास्त्र और वास्तु शास्त्र

ज्योतिषशास्त्र और वास्तु शास्त्र– **100 अंक**

ज्योतिषशास्त्र– ज्योतिष का अर्थ, ज्योतिषशास्त्र का वेदांगत्व, प्रयोजन और उपयोगिता, पंचस्कन्धात्मक ज्योतिषशास्त्र (सिद्धांत, संहिता, होरा, प्रश्न और शकुन), प्रमुख ज्योतिषी तथा उनकी कृतियाँ (वराहमिहिर, आर्यभट्ट–प्रथम, ब्रह्मगुप्त, भास्कराचार्य द्वितीय) ज्योतिषशास्त्र में कालविधान, पंचाग विचार (तिथि, वार, नक्षत्र, योग और करण) ज्योतिषशास्त्र और वृष्टिविज्ञान, ज्योतिषशास्त्र में वनस्पतियों की उपयोगिता, नवग्रह वाटिका।

वास्तुशास्त्र–वास्तुशास्त्र का अर्थ और प्रयोजन, वास्तुशास्त्र एवं पंचमहाभूत, गृहनिर्माण का प्रयोजन, भूखण्ड का चयन, भूमि परीक्षण, भूमि के प्रकार और गुण–दोष, वास्तुविभाग, वास्तु पुरुष का स्वरुप, वास्तु के प्रकार, भवनाङ्ग (मान एवं प्रमाण शाला व अलिन्द का निर्माण, भित्ति प्रमाण, द्वार, स्तम्भ मान), वास्तुशास्त्र एवं वनस्पति जगत, जलाशय वास्तु।

प्रश्नों एवं अंको का विभाजन–

समसत्रान्त परीक्षा 100 अंको की (परीक्षावधि– 3 घण्टे)

प्रश्न–1) पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5X1=5
प्रश्न–2) छः आलोचनात्मक प्रश्नों में से तीन (03) प्रश्नों का उत्तर।	15X3=45
प्रश्न–3) पांच में से तीन लघु उत्तरीय प्रश्न	5X3=15
प्रश्न–4) चार में से किन्हीं दो पर टिप्पणी।	5X2=10

अनुशंसित पुस्तकें–

i. **ज्योतिषशास्त्र प्रशिक्षक– डा० गिरिजा शंकर शास्त्री–उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ**
ii. **संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (षोडश खण्ड–ज्योतिषशास्त्र)– उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ**
iii. **प्राच्यभारतीयम् ऋतुविज्ञानम्–डा० धुनीराम त्रिपाठी– सम्पूर्णानन्द संस्कृत विद्यालय, वाराणसी**
iv. **भारतीय ज्योतिष–नेमिचन्द्र शास्त्री– भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली**
v. **भारतीय ज्योतिष का इतिहास–डा० गोरख प्रसाद, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ**
vi. **भारतीय ज्योतिष–शिवनाथ झारखण्डी–उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ**
vii. **ज्योतिष और वनस्पतियाँ–सत्य प्रकाश द्विवेदी– उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ**
viii. **वनस्पतिविज्ञान एवं भारतीय ज्योतिषशास्त्र–डा० दीपाली मित्तल–संस्कृत ग्रन्थागार, अहमदाबाद**

07.04.21

08/04/2020

R.Pandey 8/4/2021

Usha Kiran 8-4-21

Savita Oram 08/04/2021

Kavita Jha 8/4/2021

पंचम् समसत्र (Semester 5)

07.04.21

पंचम् समसत्र (V^TH Semester)

C–11

वैदिक साहित्य

खण्ड (क) वैदिक सूक्त– **55 अंक**

अध्येय सूक्त–ऋग्वेद–अग्नि सूक्त (1.1), सवितृ (1.35), मरूत् सूक्त–(1.85), सूर्य सूक्त–(1. 115), हिरण्यगर्भ (10.121) **यजुर्वेद**–शिवसंकल्प सूक्त–(34.1–6) **अथर्ववेद**–राष्ट्राभिवर्धन सूक्त–(1.29)

खण्ड (ख) वेदांगों का परिचय (शिक्षा, व्याकरण, निरूक्त, कल्प, छन्द और ज्योतिष) **20 अंक**

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन–

मध्य समसत्र परीक्षा 25 अंकों की

समसत्रान्त परीक्षा 75 अंको की (परीक्षावधि– 3 घण्टे)

खण्ड (क)

प्रश्न–1) पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5X1=5
प्रश्न–2) चार देवताओं में से दो (02) देवता का परिचय	15X2=30
प्रश्न–3) दो में से एक (0) मंत्रों की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या	10X1=10
प्रश्न–4) चार में से दो (02) मंत्रों की हिन्दी में अनुवाद	5X2=10

खण्ड (ख)

प्रश्न–5) पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5X1=5
प्रश्न–6) दो में से कोई एक (01) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	10X1=10
प्रश्न–7) दो में से किसी एक (01) पर टिप्पणी	5X1=5

अनुशंसित पुस्तकें– 1)वैदिक साहित्य का परिचय– पारसनाथ द्विवेदी– चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

2) वैदिक सेलेक्सन (भाग–01 एवं 2) – तैलंग एण्ड चौबे।

3)वैदिकसूक्त संग्रह– डा० अयोध्या प्रसाद सिंह एवं डा० रामाशीष पाण्डेय– मोतीलाल बनारसीदास,

07.04.21 08/04/21 8/4/2021 Usha Kiran 08-4-21 Savita Oraon 08/04/2021 Kavita Jha 8/4/2021

C–12

संस्कृत व्याकरण एवं रचना

खण्ड (क) अनुवाद **20 अंक**

संस्कृत से हिन्दी में तथा हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद

खण्ड (ख) संस्कृत निबंध– **30 अंक**

अध्येय निबंध– संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्, विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्, वसुधैव कुटुम्बकम्, आचारः परमो धर्मः, सत्सङ्गतिः, महाकविः भासः, आदिकाविर्वाल्मीकिः, रम्या रामायणी कथा, उपमा कालिदासस्य, भारवेरर्थगौरवम्, माघे सन्ति त्रयो गुणाः, बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्, काव्येषु नाटकं रम्यम्, भारतीयसंस्कृतौ पर्यावरणसंरक्षणम्, उपनिषदः महत्त्वम्।

खण्ड (ग) पत्रलेखन–संस्कृत में पत्रलेखन– **15 अंक**

(पितरम् / मातारम् / प्रधानाचार्य / मित्रम् / अनुजं प्रति पत्रम्)

खण्ड (घ) प्रत्यय चयन **10 अंक**

प्रत्यय चयन–तुमुन्, क्त्वा, ल्यप्, क्त, क्तवतु, शतृ, शानच्, तव्यत्, अनीयर्, यत्, ण्यत्, ल्युट्, घञ्, और, क्तिन्

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन–

मध्य समसत्र परीक्षा 25 अंकों की

समसत्रान्त परीक्षा 75 अंकों की (परीक्षावधि– 3 घण्टे)

खण्ड (क)

प्रश्न–1) दो में से एक (01) गद्यांश का संस्कृत से हिंदी में अनुवाद 10X1=10

प्रश्न–2) दो में से एक (01) गद्यांश का हिंदी से संस्कृत में अनुवाद 10X1=10

खण्ड (ख)

प्रश्न–3) पांच में से किसी एक (01) विषय पर निबंध लेखन 30X1=30

खण्ड (ग)

प्रश्न–4) दो में से किसी एक (01) विषय पर संस्कृत भाषा में पत्र लेखन 15X1=15

खण्ड (घ)

प्रश्न–5) किन्हीं चार में से दों प्रत्ययों का लक्षण उदाहरण 5X2=10

अनुशंसित पुस्तकें–1) रचनानुवादकौमुदी– डा० कपिलदेव द्विवेदी – विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

2) संस्कृतनिबंधशतकम्– डा० कपिलदेव द्विवेदी– विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

Usha Kiran 08-4-21

07.04.21

08/04/21

R Pandey 8/4/2021

Savita Oraon 08/04/2021

Kavita Jha 8/4/2021

DSE–1

समूह 'अ'

नाट्यशाला, नाट्यकला एवं नाट्य पारिभाषिक शब्द

नाट्यशाला, एवं नाट्यकला **60 अंक**

(अ) नाट्यशाला– नाट्यमण्डप और उसकी रचनाविधि, नाट्यमण्डल के विविध प्रकार, भूमि शोधन एवं माप, नेपथ्यगृह, प्रेक्षोपवेशन (आ) नाट्यशाला–(i) नाटक की परिभाषा, (ii) अभिनय और उसके विविध प्रकार, (iii) कथावस्तु (आधिकारिक एवं प्रासंगिक), (iv) पंचम् अर्थप्रकृति, (v) पंचम् सन्धि, (vi) अर्थोपक्षेपक, (vii) नायक और उनके भेद, (viii) नायिका और उनके तीन भेद, (ix) प्रतिनायक, (x) नाट्यरस– परिभाषा और उसके अंग, (xi) रस लक्षण (xii) रस निष्पत्ति–विभाव, संचारिभाव, स्थायिभाव, रसभेद

नाट्य पारिभाषिक शब्द–विष्कम्भक, प्रस्तावना, प्रवेशक, विदूषक, पताकास्थानक, जनान्तिक, आकाशभाषित, स्वगत्, नेपथ्य, नान्दी, सूत्रधार, भरतवाक्य **15 अंक**

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन–

मध्य समसत्र परीक्षा 25 अंको की

समसत्रान्त परीक्षा 75 अंको की (परीक्षावधि–3 घण्टे)

प्रश्न–1) पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5X1=5
प्रश्न–2) चार आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो (02) प्रश्नों का उत्तर	20X2=40
प्रश्न–3) छः में से तीन (03) लघु उत्तरीय प्रश्न	5X3=15
प्रश्न–4) छः में से तीन (03) नाट्य पारिभाषिक शब्दों पर टिप्पणी	5X3=15

अनुशंसित पुस्तकें–

i. **नाटक और रंगमंच सीताराम झा– बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना**
ii. **नाट्यशास्त्र की परंपरा और दशरूपक– हजारी प्रसाद द्विवेदी**
iii. **नाट्यशास्त्र– रविशंकर नागर– परिमल पब्लिकेशनस, दिल्ली**
iv. **संस्कृत आलोचना– पं॰ बलदेव उपाध्याय– उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ**
v. **भारतीय आलोचना शास्त्र– डा॰ राजवंश सहाय 'हीरा', बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना**

07.04.21

08/04/2021

Usha Kumari 08-4-21

Pandey 8/4/2021

Savita Oraon 08/04/2021

Kavita Jha 8/4/2021

DSE–2

समूह 'आ'

आयुर्वेद की परम्परा

आयुर्वेद की परम्परा **75 अंक**

(i) आयुर्वेद का परिचय, (ii) आयुर्वेद का स्वरूप, (iii) आयुर्वेद का वेदत्व, (iv) आयुर्वेद का प्रयोजन, (v) आयुर्वेद का वैज्ञानिकत्व, (vi) आयुर्वेद का वैशिष्टय, (vii) भारतीय भैषज विद्या की प्राचीनता, (viii) आत्रेय और धन्वन्तरि की परम्परा, (ix) आयुर्वेदीय परम्परा में बृहत्त्रयी (चरक संहिता, सुश्रुत संहिता तथा अष्टांगहृदय) तथा लघुत्रयी (माधवनिदान, शांकर संहिता, भावप्रकाश (x) आयुर्वेद के आठ अंग (शल्यतन्त्र, शालाकातन्त्र, कायचिकित्सा, भूतविद्या, कौमारभृत्य, अगदतन्त्र, रसायनतन्त्र, वाजीकरण), (xi) आयुर्वेद में त्रिदोष, (xii) आयुर्वेद में सप्त धातुएँ, (xiii) वृक्षायुर्वेद, (xiv) कतिपय वनस्पतियों का चिकित्सकीय महत्त्व– तुलसी, आमलकी, अपामार्ग, बिल्व, ब्राह्मी, हरिद्रा, निम्ब, गुडुचि, पुनर्नवा, तिल, उदुम्बर।

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन–

मध्य समसत्र परीक्षा 25 अंको की

समसत्रान्त परीक्षा 75 अंको की (परीक्षावधि– 3 घण्टे)

प्रश्न–1) पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5X1=5
प्रश्न–2) चार आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो (02) प्रश्नों का उत्तर	20X2=40
प्रश्न–3) पांच में से तीन (03) लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर	5X3=15
प्रश्न–4) पांच में से तीन (03) वनस्पतियों के चिकित्सकीय गुणों पर टिप्पणी	5X3=15

अनुशंसित पुस्तकें–

i. **संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (सप्तदश–खण्ड–आयुर्वेद का इतिहास) उत्तर प्रदेश संस्थान, लखनऊ**

ii. **आयुर्वेद का इतिहास एवं परिचय– डा॰ विद्याधर शुक्ला एवं रविदत्त त्रिपाठी– चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी**

iii. **आरोग्यदायी वनस्पतियाँ– रमेश बेदी– अमरसत्य प्रकाशन, दिल्ली**

iv. **A Text Book Of Dravyaguna Vijnana- Dr. Prakash L. Hedge- Chaukhambha Sanskrit Sansthan, Varanasi.**

भारतीय संस्कृति एवं राजनीति

भारतीय संस्कृति एवं राजनीति 100 अंक

भारतीय संस्कृत की विशेषताएं –आश्रमव्यवस्था – (क) आश्रम व्यवस्था की अवधारणा, (ख) ब्रह्मचर्य व्यत्पत्ति एवं अर्थ, विशेषता, दिनचर्या, शिक्षा (ग) गृहस्थाश्रम– व्युत्पत्ति और अर्थ, स्वरुप और विशेषता, गृहस्थाश्रम की श्रेष्ठता, गृहस्थ के कर्तव्य, पंचमहायज्ञ, (घ) वानप्रस्थ– व्युतपत्ति और अर्थ, स्वरुप, महत्त्व, जीवन एवं कर्तव्य, (ङ) संन्यासी आश्रम– व्युतपत्ति एवं अर्थ, संन्यासी की आचारसंहिता। पुरुषार्थ– (क) पुरुषार्थ की अवधारना, (ख) धर्म – व्युत्पत्ति और अर्थ, विशेषता, विभेद (सामान्य, विशेष एवं आपद), (ग) अर्थ– स्वरुप और महत्त्व, (घ) काम–व्युत्पत्ति और अर्थ, काम का स्वरुप और महत्त्व (ङ) मोक्ष – व्युत्पत्ति और अर्थ, स्वरुप और महत्त्व, मोक्षप्राप्ति के आधार संस्कार– (क) अर्थ और प्रयोजन, (ख) इन संस्कारों का सामान्य परिचय– उपनयन, समावर्तन एवं विवाह राजनीति– (क) राज्य की उत्पत्ति के कारण तथा उत्पत्ति के सिद्धांत, (ख) राज्य के कार्य, (ग) राजा का महत्त्व और कार्य

प्रश्नों एवं अंको का विभाजन–

मध्य समसत्र परीक्षा 25 अंको की

समसत्रान्त परीक्षा 75 अंको की (परीक्षावधि– 3 घण्टे)

प्रश्न–1) पंद्रह वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10X1=10
प्रश्न–2) छः आलोचनात्मक प्रश्नों में से तीन (03) प्रश्नों का उत्तर।	20X3=60
प्रश्न–3) चार में से दो की लघु उत्तरीय प्रश्न	10X2=20
प्रश्न–3) चार में से दो पर टिप्पणी	5X2=10

अनुशंसित प्रस्तकें–

i. **भारतीय संस्कृति के मूल तत्त्व– डा० सुखवीर सिंह– साहित्य भण्डार, मेरठ**
ii. **भारतीय संस्कृति और कला– वाचस्पति गैरोला– उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ**
iii. **प्राचीन भारत का सामाजिक इतिहास– डा० जयशंकर मिश्र– बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी**

GE–3

समूह 'अ'

आयुर्वेद की परम्परा

आयुर्वेद की परम्परा 100 **अंक**

(i) आयुर्वेद का परिचय, (ii) आयुर्वेद का स्वरूप, (iii) आयुर्वेद का वेदत्व, (iv) आयुर्वेद का प्रयोजन, (v) आयुर्वेद का वैज्ञानिकत्व, (vi) आयुर्वेद का वैशिष्टय, (vii) भारतीय भैषज विद्या की प्राचीनता, (viii) आत्रेय और धन्वन्तरि की परम्परा, (ix) आयुर्वेदीय परम्परा में बृहत्त्रयी (चरक संहिता, सुश्रुत संहिता तथा अष्टांगहृदय) तथा लघुत्रयी (माधवनिदान, शांकर संहिता, भावप्रकाश (x) आयुर्वेद के आठ अंग (शल्यतन्त्र, शालाकातन्त्र, कायचिकित्सा, भूतविद्या, कौमारभृत्य, अगदतन्त्र, रसायनतन्त्र, वाजीकरण), (xi) आयुर्वेद में त्रिदोष, (xii) आयुर्वेद में सप्त धातुएँ, (xiii) वृक्षायुर्वेद, (xiv) कतिपय वनस्पतियों का चिकित्सकीय महत्त्व–तुलसी, आमलकी, अपामार्ग, बिल्व, ब्राह्मी, हरिद्रा, निम्ब, गुडुचि, पुनर्नवा, तिल, उदुम्बर।

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन–

समसत्रान्त परीक्षा 75 अंको की (परीक्षावधि– 3 घण्टे)

प्रश्न–1) दश वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10X1=10
प्रश्न–2) आठ में से चार आलोचनात्मक प्रश्नों का उत्तर	20X3=60
प्रश्न–3) चार में से दो लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर	10X2=20
प्रश्न–4) चार में से दो (02) वनस्पतियों के चिकित्सकीय गुणों पर टिप्पणी	5X2=10

अनुशंसित पुस्तकें–

i. **संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (सप्तदश–खण्ड–आयुर्वेद का इतिहास) उत्तर प्रदेश संस्थान, लखनऊ**
ii. **आयुर्वेद का इतिहास एवं परिचय– डा॰ विद्याधर शुक्ला एवं रविदत्त त्रिपाठी– चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी**
iii. **आरोग्यदायी वनस्पतियाँ– रमेश बेदी– अमरसत्य प्रकाशन, दिल्ली**
iv. **A Text Book Of Dravyaguna Vijnana- Dr. Prakash L. Hedge- Chaukhambha Sanskrit Sansthan, Varanasi.**

स्नातक सामान्य (संस्कृत)

Syllabus for B.A (Pass) in Sanskrit

समसत्र–1	समसत्र–2
संस्कृत व्याकरण (सन्धि एवं कारक)	भारतीय संस्कृति एवं राजनीति
समसत्र–3	समसत्र–4
आयुर्वेद की परम्परा	भाषाविज्ञान
समसत्र–5	समसत्र–6
संस्कृत साहित्य का इतिहास (रामायण , महाभारत एवं पुराण)	संस्कृतसाहित्य में पर्यावरणचेतना

07.04.21

08/04/2021 R. Pandey 08/04/2021

Savita Oraon 08/04/2021

Usha Kumari 08-4-21

Kavita Jha 8/4/2021

पी०–1

संस्कृत व्याकरण (सन्धि एवं कारक)

खण्ड (क)

सन्धि प्रकरण **40 अंक**

अध्येय सूत्र–स्वर सन्धि– इको यणचि, तस्मिन्निति निर्दिष्टे पूर्वस्य, स्थानेऽन्तरतमः, अनचि च, झलां जश् झशि, एचोऽयवायावः, वान्तो यि प्रत्यये, अदेङ् गुण, आद्गुणः, उपदेशेऽजनुनासिक इत्, उरण् रपरः, लोपः शाकल्यस्य, पूर्वत्रासिद्धम्, वृद्धिरादैच, वृद्धिरेचि, उपसर्गाः क्रियायोगे, एङि पररूपम् अचोऽन्त्यादि टि, शकन्ध्वादिषु पररूपं वाच्यम्, अंकः सवर्णे दीर्घः, एङः पदान्तादति, प्लुतप्रगृह्याऽचि नित्यम्, ईदूदेद्द्विवचनं प्रगृह्यम्, इकोऽसवर्णे शाकल्यस्य ह्रस्वश्च।

व्यञ्जन सन्धि–स्तोः श्चुना श्चुः, शात्, ष्टुना ष्टुः, न पदान्ताट्टोरनाम्, तोः षि, झलां जशोऽन्ते, यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा, तोर्लि, आदेः परस्य, खरि च, मो राजि समः क्वौ, झयो होन्यतरस्याम्, शश्छोऽटि, मोऽनुस्वारः, अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः, वा पदान्तस्य, ङमो ह्रस्वादचि ङमुन्नित्यम्, छे च, पदान्तात् वा।

विसर्ग सन्धि–विसर्जनीयस्य सः, वा शरि, ससजुषो रुः, अतोरोरप्लुतादप्लुते, हशि च, हलि सर्वेषाम्, रोऽसुपि, रो रि, ढ्लोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः, विप्रतिषेधे परं कार्यम्।

खण्ड (ख)

कारक प्रकरण– **40 अंक**

अध्येय सूत्र–प्रातिपदिकार्थलिङ्गपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा, सम्बोधने च, कर्तुरीप्सिततमं कर्म, कर्मणि द्वितीया, अकथितश्च, साधकतमं करणम्, कर्तृकरणयोस्तृतीया, सहयुक्तेऽप्रधाने, प्रकृत्यादिभ्यः उपसेख्यानम्, येनाङ्गविकारः, कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्, चतुर्थी सम्प्रदान, रूच्यर्थानां प्रीयमाणः, नमः स्वस्तिस्वाहास्वधाऽलंवषड्योगाच्च, ध्रुवमपायेऽपादानम्, अपादाने पंचमी, भीत्रार्थानां भयहेतुः, षष्ठी शेषे, आधारोऽधिकरणम्, सप्तम्यधिकरणे च, यतश्च निर्धारणे, यस्य च भावे न भावलक्षणम्।

खण्ड (ग)

व्याकरण शास्त्र का इतिहास– **20 अंक**

अध्येय प्रकरण– पाणिनिपूर्व व्याकरण की स्थिति, पाणिनि–देशकाल, जीवनवृत्त एवं अष्टध्यायी, कात्यायन– देशकाल, जीवनवृत्त एवं वार्तिक, पतंजलि– देशकाल, जीवनवृत्त, एवं महाभाष्य, व्याकरणशास्त्र का प्रयोजन।

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन–

समसत्रान्त परीक्षा 75 अंकों की (परीक्षावधि– 3 घण्टे)

Pandey 8/4/2021 Usha Kiran 08-4-21 07.04.21 Savita Oraon 08/04/2021 08/04/2021 Kavita Jha 8/4/2021

खण्ड (क)

प्रश्न–1)	सन्धि प्रकरण से पांच (5) वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5X2=10
प्रश्न–2)	पांच सूत्रों में से चार (04) सूत्रो की व्याख्या	5X4=20
प्रश्न–3)	छः में से पांच (5) सन्धि विच्छेद।	5X1=5
प्रश्न–4)	छः में से पांच (5) सन्धि।	5X1=5

खण्ड (ख)

प्रश्न–5)	कारक प्रकरण से पांच (05) वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5X2=10
प्रश्न–6)	पांच में से तीन (03) कारक सूत्रों की व्याख्या	5X4=20
प्रश्न–7)	पांच में से दो (02) पदों में ससूत्र विभक्ति निर्देश	5X2=10

खण्ड (ग)

प्रश्न–8)	व्याकरणशास्त्र का इतिहास [illegible] दो में से एक (01) अलोचनात्मक प्रश्न	20X1=20

अनुशंसित प्रस्तकें–

i. लघुसिद्धान्त कौमुदी– श्रीधरानन्दशास्त्री– मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
ii. लघुसिद्धान्त कौमुदी– महेश सिंह कुशवाहा– चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
व्याकरणशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास– श्री रमाकान्त मिश्र– चौखम्बा विद्याभवन

Savita Oraon
08/04/2021

08/04/2021

07.04.21

08/04/2021

Usha Kiran
08-4-21

Kavita Jha
8/4/2021

पी०–2

भारतीय संस्कृति एवं राजनीति

भारतीय संस्कृति एवं राजनीति **100 अंक**

भारतीय संस्कृत की विशेषताएं–आश्रमव्यवस्था – (क) आश्रम व्यवस्था की अवधारणा, (ख) ब्रह्मचर्य व्यत्पत्ति एवं अर्थ, विशेषता, दिनचर्या, शिक्षा (ग) गृहस्थाश्रम– व्युत्पत्ति और अर्थ, स्वरुप और विशेषता, गृहस्थाश्रम की श्रेष्ठता, गृहस्थ के कर्तव्य, पंचमहायज्ञ, (घ) वानप्रस्थ– व्युतपत्ति और अर्थ, स्वरुप, महत्त्व, जीवन एवं कर्तव्य, (ङ) संन्यासी आश्रम– व्युतपत्ति एवं अर्थ, संन्यासी की आचारसंहिता। पुरुषार्थ– (क) पुरुषार्थ की अवधारना, (ख) धर्म – व्युत्पत्ति और अर्थ, विशेषता, विभेद (सामान्य, विशेष एवं आपद्), (ग) अर्थ– स्वरुप और महत्त्व, (घ) काम–व्युत्पत्ति और अर्थ, काम का स्वरुप और महत्त्व (ङ) मोक्ष – व्युत्पत्ति और अर्थ, स्वरुप और महत्त्व, मोक्षप्राप्ति के आधार संस्कार– (क) अर्थ और प्रयोजन, (ख) इन संस्कारों का सामान्य परिचय– उपनयन, समावर्तन एवं विवाह राजनीति– (क) राज्य की उत्पत्ति के कारण तथा उत्पत्ति के सिद्धांत, (ख) राज्य के कार्य, (ग) राजा का महत्त्व और कार्य

प्रश्नों एवं अंको का विभाजन

समसत्रान्त परीक्षा 75 अंको की (परीक्षावधि– 3 घण्टे)

प्रश्न–1) दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10X1=10
प्रश्न–2) छः आलोचनात्मक प्रश्नों में से तीन (03) प्रश्नों का उत्तर।	20X3=60
प्रश्न–3) चार में से दो (02) पर लघु उतरीय प्रश्न का उतर	10X2=20
प्रश्न–4) चार में से दो (02) पर टिप्पणी	5X2=10

अनुशंसित पुस्तकें–

i. **भारतीय संस्कृति के मूल तत्त्व– डा० सुखवीर सिंह– साहित्य भण्डार, मेरठ**
ii. **भारतीय संस्कृति और कला– वाचस्पति गैरोला– उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ**
iii. **प्राचीन भारत का सामाजिक इतिहास– डा० जयशंकर मिश्र– बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी**

Savita Oraon 08/04/2021
Usha Kiran 08-4-21
07.04.21
08/04/2021
Kavita 8/4/2021

पी०–3

समूह 'अ'

आयुर्वेद की परम्परा

आयुर्वेद की परम्परा 100 **अंक**

(i) आयुर्वेद का परिचय, (ii) आयुर्वेद का स्वरूप, (iii) आयुर्वेद का वेदत्व, (iv) आयुर्वेद का प्रयोजन, (v) आयुर्वेद का वैज्ञानिकत्व, (vi) आयुर्वेद का वैशिष्टय, (vii) भारतीय भैषज विद्या की प्राचीनता, (viii) आत्रेय और धन्वन्तरि की परम्परा, (ix) आयुर्वेदीय परम्परा में बृहत्त्रयी (चरक संहिता, सुश्रुत संहिता तथा अष्टांगहृदय) तथा लघुत्रयी (माधवनिदान, शांकर संहिता, भावप्रकाश (x) आयुर्वेद के आठ अंग (शल्यतन्त्र, शालाकातन्त्र, कायचिकित्सा, भूतविद्या, कौमारभृत्य, अगदतन्त्र, रसायनतन्त्र, वाजीकरण), (xi) आयुर्वेद में त्रिदोष, (xii) आयुर्वेद में सप्त धातुएँ, (xiii) वृक्षायुर्वेद, (xiv) कतिपय वनस्पतियों का चिकित्सकीय महत्त्व– तुलसी, आमलकी, अपामार्ग, बिल्व, ब्राह्मी, हरिद्रा, निम्ब, गुडुचि, पुनर्नवा, तिल, उदुम्बर।

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन–

समसत्रान्त परीक्षा 75 अंको की (परीक्षावधि– 3 घण्टे)

प्रश्न–1) दश वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1X10=10
प्रश्न–2) छः आलोचनात्मक प्रश्नों में से तीन (03) प्रश्नों का उत्तर	20X3=60
प्रश्न–3) पाँच में से दो (02) लघु उतरीय प्रश्न	10X2=20
प्रश्न–4) पाँच में से दो (02) वनस्पतियों के चिकित्सकीय गुणों पर टिप्पणी	5X2=10

अनुशंसित प्रस्तकें–

1) संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (सप्तदश–खण्ड–आयुर्वेद का इतिहास) उत्तर प्रदेश संस्थान, लखनऊ

2) आयुर्वेद का इतिहास एवं परिचय– डा॰ विद्याधर शुक्ला एवं रविदत्त त्रिपाठी– चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी

3) आरोग्यदायी वनस्पतियाँ– रमेश बेदी– अमरसत्य प्रकाशन, दिल्ली

4) Text Book Of Dravyaguna Vijnana- Dr. Prakash L. Hedge- Chaukhambha Sanskrit Sansthan, Varanasi.

Savita Oraon 08/04/2021

8/4/2021

07.04.21

Usha Kiran 08-4-21

Kavita 8/4/2021

08/04/2021

पी०–4

भाषा विज्ञान

भाषा विज्ञान 100 अंक

(i) भाषा की परिभाषा और उसके विविध रूप, (ii) भाषा की विशेषताएं, (iii) भाषाविज्ञान का स्वरूप,(iv) भाषाविज्ञान की उपयोगिता, (v) ध्वनि विज्ञान (परिभाषा, उपयोगिता, वैदिक ध्वनियाँ, ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि परिवर्तन की दिशाएं, ध्वनि नियम), (vi) पदविज्ञान (पद और वाक्य, पद और संबंध तत्त्व, संस्कृत में संबंध तत्त्व पद विभाग, संहिता), (vii) वाक्यविज्ञान (स्वरूप, पद और वाक्य, वाक्य के अनुवार्य तत्त्व, वाक्य और पदक्रम, वाक्यों के प्रकार, वाक्य परिवर्तन की दिशाएं, वाक्य परिवर्तन के कारण), (viii) अर्थविज्ञान (परिभाषा, अर्थ का महत्व, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थज्ञान के साधन, अर्थ परिवर्तन की दिशाएं, अर्थ परिवर्तन के कारण, (ix) वैदिक और लौकिक संस्कृत का तुलनात्मक अध्ययन।

प्रश्नों एवं अंकों का विभाजन–

समसत्रान्त परीक्षा 75 अंको की (परीक्षावधि– 3 घण्टे)

प्रश्न–1) दश वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10X1=10
प्रश्न–2) छः आलोचनात्मक प्रश्नों में से तीन (03) प्रश्नों का उत्तर	20X3=60
प्रश्न–3) चार में से किन्हीं दो (02) पर लघु उतरीय प्रश्न	10X2=20
प्रश्न–4) पाँच में से दो (02) पर टिप्पणी	5X2=10

अनुशंसित प्रस्तकें–

1) भाषा विज्ञान एवं शास्त्र– डा. कपिलदेव द्विवेदी– विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2) संस्कृतभाषाविज्ञानम्– श्रीरामाधीन चतुर्वेदी– चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3) भाषाविज्ञान की भूमिका– देवेन्द्रनाथ शर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन

Savita Oraon
08/04/2021

8/4/2021

Usha Kiran
08-4-21

07.04.21

08/04/2021

Kavita Jha
8/4/2021

पी०–5

संस्कृत साहित्य का इतिहास (रामायण, महाभारत एवं पुराण)

संस्कृत साहित्य का इतिहास– रामायण, महाभारत एवं पुराण 100 अंक

रामायण– (क) सामान्य परिचय, (ख) काल–निर्धारण, (ग) उपजीव्यता, (घ) रामायणकालीन समाज और संस्कृति, (ङ) रामायण साहित्यिक महत्त्व, आदिकाव्य के रुप में रामायण।

महाभारत– (क) महाभारत का विकास क्रम, (ख) उपजीव्यता, (ग) कालनिर्धारण,

(घ) महाभारतकालीन समाज, (ङ) महाभारत साहित्यिक महत्त्व, (च) रामायण और महाभारत का पौर्वापर्य।

पुराण– (क) पुराण की परिभाषा, (ख) पुराण के लक्षण, (ग) महापुराणों की संख्या, (घ) इन महापुराणों का सामान्य परिचय – श्रीमद्भागवत, अग्नि, विष्णु, स्कन्द एवं पद्म

प्रश्नों एवं अंको का विभाजन–

समसत्रान्त परीक्षा 75 अंको की (परीक्षावधि– 3 घण्टे)

प्रश्न–1) दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10X1=10
प्रश्न–2) छः आलोचनात्मक प्रश्नों में से तीन (03) प्रश्नों का उत्तर।	20X3=60
प्रश्न–3) चार में से दो पर (02) लघु उतरीय प्रश्न	10X2=20
प्रश्न–3) चार में से दो पर (02) टिप्पणी	5X2=10

अनुशंसित पुस्तकें–

i. संस्कृत साहित्य का इतिहास–आचार्य बलदेव उपाध्याय–शारदा निकेतन, वाराणासी
ii. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी
iii. संस्कृत साहित्य का इतिहास–उमाशंकर शर्मा "ऋषि"– चौखम्बा प्रकाशन, वाराणासी